HINDI CORE - 002

Spac
Ques

2

Space for writing
Question Number

026

खण्ड क

1

(i) (A) जल संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति के कारण

(ii) (C) नदियों से बसावट दूर हुई और तालाब, बावड़ियाँ, कुएँ आदि बनाए गए।

(iii) (C) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

(iv) जल से हमें जीवन ~~दर्शन~~ दर्शन मिलता रहा है और हम इसे जल दर्शन कह सकते हैं। जब हम कहीं घूमने या आनंद मनाने जाते हैं, तो नदी किनारे का और उसके बदलते रंगों का आनंद लेते हैं। पूरे दिन में नदी के तीन रंग बदलते हैं। सुबह का अलग, शाम का अलग और दोपहर का अलग। नदी के ये बदलते रंग हमारे जीवन के बदलते

रंगो की तरह हैं जिनमें प्रवाह होता है, गति होती है।
इस प्रकार जल से हमें जीवन दर्शन मिलता है।

(v) जब मनुष्य के पास पर्याप्त मात्रा में जल होता है तब वह पानीदार होता है। तालाब, बावड़ियाँ, कुएँ, ताल, खाल आदि के माध्यम से जल का संरक्षण करके हम पानीदार बने रह सकते हैं। जब तक हमें जल दर्शन मिलता है तब तक हम पानीदार रहते हैं।

Space for writing Question Number

2.

(i)(D) बेटी के पिता उसे बहुत अधिक याद कर रहे हैं।

(ii)(C) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता ~~सह~~ है।

(iii)(A) केवल I सही है।

(iv) पिता अक्सर कठोर स्वभाव के व्यक्तित्व वाले होते हैं। वे अपना वात्सल्य अभिव्यक्त नहीं कर पाते। पिता का स्वभाव अक्सर ~~म~~ बाहर से सख्त और अंदर से ~~नर्म~~ कोमल होता है। यही कारण है कि कविता में बेटी के पिता पुत्री के प्रति अपने प्रेम को अभिव्यक्त नहीं कर पाते हैं।

(v) बेटी के की अनुपस्थिति में घर बहुत सूना है। बेटी के रहने से घर में जो चहल-पहल होती थी वो अब नहीं हो रही है। घर के आँगन और चौखट बेटी की राह देख रहे हैं।

for writing on Number

2405-24

(i) दिया गया वाक्य सरल वाक्य है।

(iii) उन्होंने मेरे भारत जाने की एक शर्त रखी।

(iv) नाटकों में स्त्रियाँ प्राकृत बोलती हैं और यह उनके ग्रामीण होने का प्रमाण नहीं है।

(v) जो बच्चा रेलवे प्लेटफॉर्म पर था वह सहमा हुआ बैठा था।

---

4. (i) पिताजी द्वारा स्वादिष्ट दाल बनाई गई।

(iv) भाववाच्य

(v) ~~कर्तृवाच्य~~ कर्तृवाच्य

(iii) राधिका नहीं दौड़ ~~पाई~~ सकी।

5.

(i) कबीर - संज्ञा, व्यक्तिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन, संबंध कारक

(ii) उफ - विस्मयादिबोधक अव्यय, शोकसूचक

(iv) के साथ - संबंधबोधक अव्यय, 'रमेश' और 'तुम' के बीच संबंध स्थापित कर रहा है।

(v) कूद रहे थे - क्रिया, अकर्मक, भूतकाल, कर्ता - बंदर (ढेरों बंदर)

for writing
on Number

6.

(i) अतिशयोक्ति अलंकार

(ii) उत्प्रेक्षा अलंकार

(iv) मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के।

(v) मैया मैं तो चँद्र खिलौना लैहौं।

Space for writing Question Number

खण्ड - II

7.

(i) (B) केवल I और III सही हैं।

(ii) (D) सम्पन्न और सम्मानजनक स्थिति।

(iii) (C) कथन सही है, किंतु कारण ग़लत है।

(iv) (C) अपने विश्वासपात्रों से मिले विश्वासघात को झेलने के कारण

(v) (D) II, III, और IV सही हैं।

ace for writing
estion Number

8
(iv) वास्तविक अर्थों में वह व्यक्ति जो अपने ज्ञान के बल पर किसी नए तथ्य का दर्शन करता है, संस्कृत कहलाता है। इसके अलावा विद्वान ऋषियों अथवा मनीषियों द्वारा दिए गए अनुकरणीय सूत्र जो मानव हित में हैं, संस्कृत संस्कृति कहलाते हैं तथा वे ऋषि, संस्कृत। ऐसे व्यक्ति पेट भरा होने और तन ढका होने पर भी खाली नहीं बैठ सकते।

(iii) बिस्मिल्ला खाँ कला के अनन्य उपासक ~~थे~~ थे, उनको अहंकार छू भी नही पाया था तथा वे दिखावे की जिंदगी में विश्वास नहीं करते थे। वे हिंदू-मुसलिम एकता में विश्वास करते थे। मैं बिस्मिल्ला खाँ के अहंकार न होने के गुण को अपनाना चाहूँगा क्योंकि वह व्यक्ति जो अहंकार से मुक्त मुक्त है, सच्चा मानव है और अहंकार न होना एक सफल व्यक्ति का ✓ गुण भी है।

आवश्यक

Space for writing Question Number

(i) हालदार साहब ने जब नेताजी की मूर्ति पर असली चश्मा देखा तो उन्होंने सोचा की मूर्ति कपड़े नहीं बदल सकती, लेकिन चश्मा तो बदल सकती है। शुरुआत में उन्होंने मूर्ति के चश्मे को कौतुकभरी नज़रों से देखा, फिर अंत में उन्हें यह कस्बे के नागरिकों का सराहनीय प्रयास लगा। संभवतः मूर्ति पर असली चश्मा न होने का कारण यह होगा कि मूर्तिकार मास्टर मोतीलाल चश्मा बनाना भूल गया और कैप्टन चश्मेवाला, जो कि एक सच्चा देशभक्त था, मूर्ति पर असली चश्मा लगा दिया करता था।

2026

9.

i) (C) कृष्ण के स्थान पर उद्धव के आने के कारण।

ii) (C) गोपियाँ मानो विरह के दुख से जल उठीं।

iii) (C) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की उचित व्याख्या करता है।

(iv) (A) कृष्ण ने

(v) (C) केवल I और II सही हैं।

Space for writing Question Number

10. (ii) 'अट नहीं रही है' कविता में फागुन मास की प्राकृतिक शोभा इतनी विविध और मनोहारी है कि कवि चाहकर भी अपनी दृष्टि इस सुंदरता से नहीं हटा पाते हैं। फागुन मास की सुंदरता इतनी अधिक है कि वह कहीं भी समाहित नहीं हो रही है। पुष्पों की सुगंध चारों ओर फैल गई है और सर्वत्र उल्लास और उत्साह-सा छा गया है।

(iv) संगतकार मुख्य गायक का एक अनिवार्य सहयोगी होता है। वह मुख्य गायक के भटक जाने पर स्थायी पंक्ति को बार-बार दोहराकर उसे संभलने का मौका देता है। जब मुख्य गायक की आवाज़ बिखरने लगती है तब वह संगतकार मुख्य गायक के स्वर में अपना स्वर मिलाकर उसे बल देता है।

(iii) 'आत्मकथ्य' कविता में जयशंकर प्रसाद जी के जीवन के बारे में हमें यह पता चलता है कि उनका जीवन कठिनाइयों से परिपूर्ण है। उनके अनुसार उन्होंने अपने जीवन में ऐसी कोई उपलब्धि अर्जित नहीं की है जिसकी सराहना की जाए। उनके जीवन में आए सुख के कुछ पल उनकी व्यक्तिगत पूँजी हैं जिनका वे बखान नहीं करना चाहते।

(iii) 'आत्मकथ्य' कविता में जयशंकर प्रसाद जी के जीवन के बारे में हमें यह पता चलता है कि उनका जीवन कठिनाइयों से परिपूर्ण है। उनके अनुसार उन्होंने अपने जीवन में ऐसी कोई उपलब्धि अर्जित नहीं की है जिसकी सराहना की जाए। उनके जीवन में आए सुख के कुछ पल उनकी व्यक्तिगत पूँजी है जिनका वे बखान नहीं करना चाहते।

Space for writing Question Number

11.

(i) आज लगभग एक सदी बाद 'माता का आँचल' की घटनाएँ ~~काल्पि~~ काल्पनिक प्रतीत होती हैं।

1. ~~कहानी~~ कहानी में बच्चे अपने खेल प्रकृति से ही प्राप्त करते थे। वे मिट्टी के बर्तन, ~~पत्थ~~ पत्थर, पेड़ के पत्ते आदि का उपयोग करके ही खेलते थे परंतु आज बच्चों के पास खेलने के लिए आधुनिक चीजें ~~उ~~ सामग्रियाँ जैसे वीडियो गेम, कम्प्यूटर आदि आ गए हैं।

२. कहानी में बच्चे अपना ज्यादातर समय बाहर बिताते थे परंतु आजकल बच्चों पर पढ़ाई का बोझ बढ़ गया है और वे घर की चारदिवारी में ही सीमित हो गए हैं।

3. पहले के समय में भरे-पूरे परिवार होते थे परंतु आज एकल संस्कृति ने जन्म ले लिया है।

e for writing
tion Number

५. पहले गाँव में सीधा-सादा जीवन होता था परंतु आज के समय में ~~एकल~~ दिखावे की जिंदगी ने जन्म ले लिया है।

(ii) हिमालय का सौंदर्य और स्वरूप अत्यंत प्रभावशील है। जैसे-जैसे लेखिका ऊपर जा रहीं थी, हिमालय विशाल से विशालतर होता जा रहा था। घाटियाँ गहराती-गहराती पाताल नाप ~~नहीं~~ रही थीं। छोटे-छोटे पहाड़ विशाल ~~पर्वतों~~ पर्वतों में परिवर्तित हो रहें थे। फूलों से लदा पुष्प समूह लेखिका के मन में सम्मोहन जगा रहा था। ऊँची बर्फ की चट्टानें जल-धारा बन कर बह रही थीं। ऊँचे-ऊँचे झरनों के बहाव को देखकर ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो मन की सारी तामसिकताएँ इसी जल-धारा में बह गई हों। हिमालय के पल-पल परिवर्तित होते रूप को देखकर लेखिका के भीतर बाहर एक शून्य-सा व्याप्त हो गया था।

Space for writing Question Number

खण्ड-घ

12. (i)

प्राकृतिक आपदाएँ और मानव की भूमिका

प्राकृतिक आपदाओं का वास्तविक अर्थ है - वे घटनाएँ जो मानव के प्रकृति से अमर्यादित हस्तक्षेप करने से होती हैं तथा जिनसे ~~जन-मन जान-मान~~ को भारी हानि होती है। प्राकृतिक आपदाएँ कभी-कभी ~~स्वयं स्वयं से भी~~ होती हैं लेकिन पिछले कुछ वर्षों में मानव के अमानवीय कृत्य कृत्यों के बढ़ने से ये आपदाएँ लगातार होती जा रही हैं। मानव लगातार प्रकृति को ~~कुरूपओम~~ नुकसान पहुँचा रहा है। पेड़ों को काटा जा रहा है, जल को ~~दूषित~~ दूषित किया जा रहा है तथा प्राकृतिक क्षेत्रों में लगातार व्यवसायीकरण हो रहे हैं। ऐसा होने से प्राकृतिक आपदाएँ बढ़ जाती हैं। जापान में हर साल भूकंप आ ~~रे~~ हैं। ~~द्वीपीं~~ वे देश जो ~~क~~ पानी से घिरे हुए हैं

~~इनमें~~ उन्हें हर वर्ष सुनामी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में हमारा कर्तव्य है कि हम प्रकृति से छेड़-छाड़ कम करें, ऊँची इमारतें बनाना कम करें तथा प्रदूषण को निरंतर कम करें जिससे मनुष्य का जीवन बच सके और मानव व प्रकृति के बीच का तालमेल बना रहे।

18

Space for writing Question Number

13.

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक- 02/03/20XX

आदरणीय दादा-दादी,
सादर प्रणाम।
मैं यहाँ कुशल हूँ और आशा करता हूँ कि आप दोनों भी वहाँ कुशलतापूर्वक होंगे। मैं हाल ही में माता-पिता के साथ दिल्ली में रहने आया हूँ।

मैं चाहता हूँ कि आप दोनों भी मेरे और माता-पिता के साथ रहने यहाँ आएँ। दिल्ली एक बेहद खूबसूरत शहर है। यदि आप दोनों यहाँ आएँगे तो मैं आप दोनों को यह शहर अच्छे से घुमाऊँगा। यहाँ लाल किला है, जामा मस्जिद है तथा खान-पान की वे सारी चीज़ें मौजूद हैं जो आप दोनों को पसंद हैं। यहाँ प्रधानमंत्री निवास, राष्ट्रपति निवास तथा संसद भवन भी है जो आप दोनों को कभी

बोर होने नहीं देगा।

मैं आशा करता हूँ कि आप दोनों जल्द से जल्द यहाँ रहने आ जाएँ जिससे हम अधिक से अधिक घूम घूम सकेंगे। आप दोनों को प्रणाम तथा ~~क~~ छोटू को प्यार।

आपका पुत्र,
सलिल

20

Space for writing Question Number

14.

प्रेषक - abc@gmail.com
प्रेषिती - xyz@gmail.com

CC: BCC:

विषय - विद्यालय के पुस्तकालय में कुछ विशेष पुस्तकें उपलब्ध कराने हेतु ई-मेल।

प्रति,
महोदय,
सविनय निवेदन है कि मैं, जॉन आपको यह बताना चाहता हूँ कि मेरी कक्षा के कुछ विद्यार्थियों की रुचि के अनुसार कुछ पुस्तकें विद्यालय के पुस्तकालय में उपलब्ध नहीं हैं। मैं आपसे यह निवेदन करता हूँ कि उन पुस्तकों को जल्द से जल्द पुस्तकालय में उपलब्ध करा दिया जाए ताकि विद्यार्थी अच्छे से पढ़ सकें। पुस्तकों की सूचि मैंने इस ~~इस~~ ड्राफ्ट में डाल दी है।
सधन्यवाद।
भवदीय
जॉन
दिनांक - 2/3/20xx

15.(ii)

सूचना

दिनांक - 2/3/20xx
समय - 7:00 बजे सुबह
राम
तुम्हारा ओलंपिक खेलों में चयन होने की तुम्हें बहुत-बहुत बधाई। यह तुम्हारे कठिन परिश्रम का परिणाम है कि ~~तुम~~ तुम्हें हमारे देश का नाम रौशन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। तुम्हें तुम्हारे आने वाले तमाम प्रतियोगिताओं के लिए ~~बहुत~~ → बहुत - बहुत शुभकामनाएँ।
तुम्हारा मित्र
क. ख. ग.

22

Space for writing
Question Number

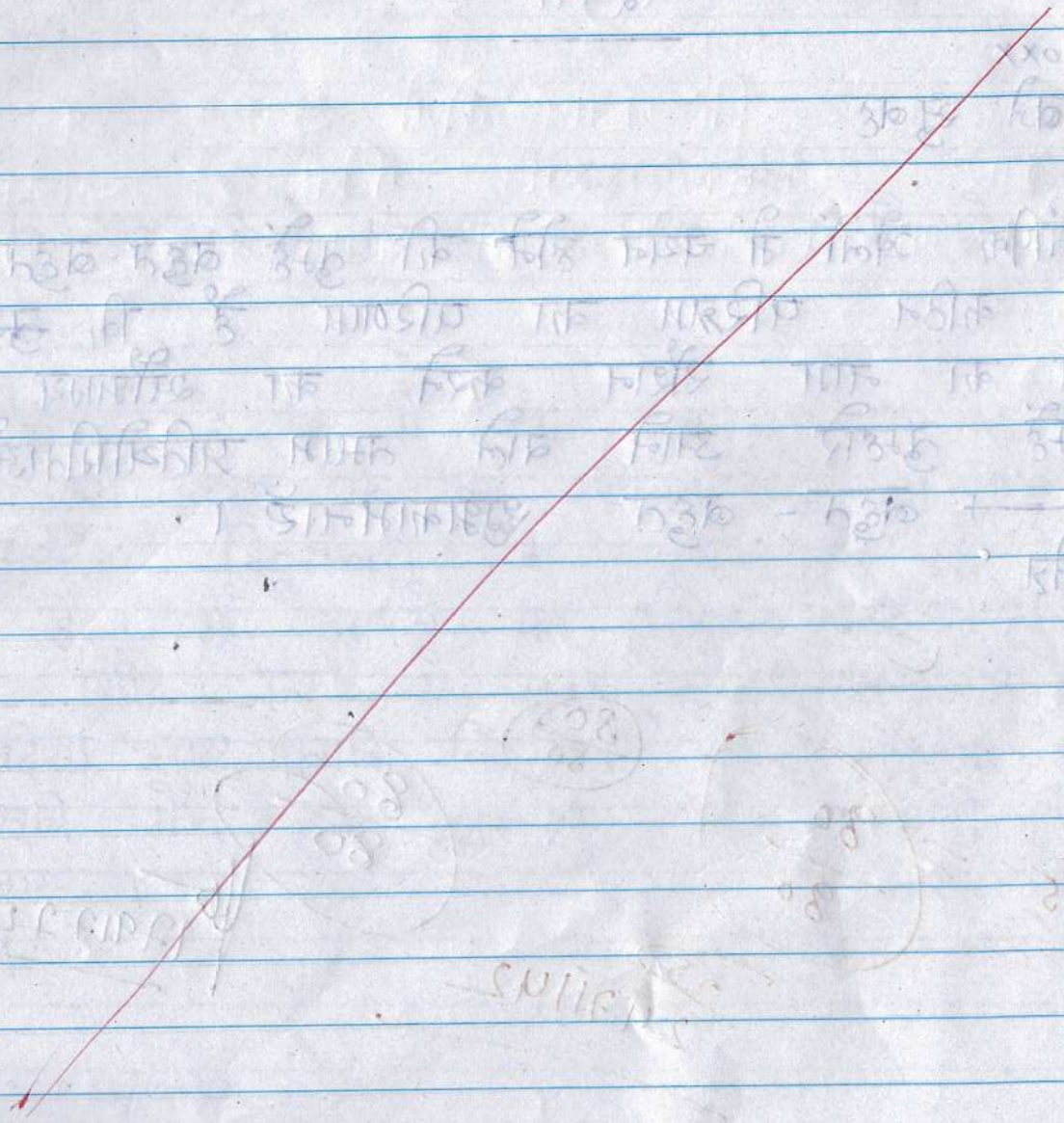

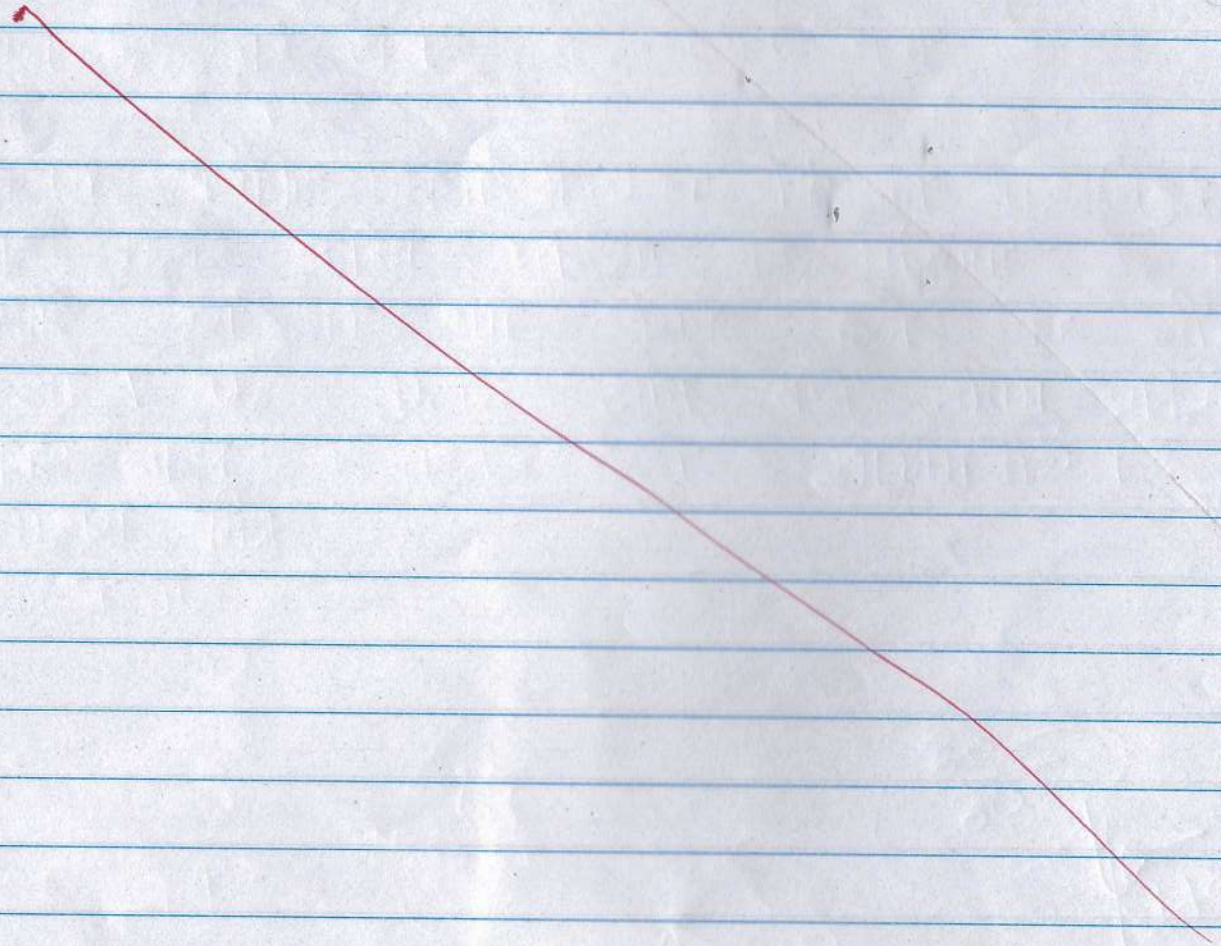

Space for writing
Question Number



writing Number

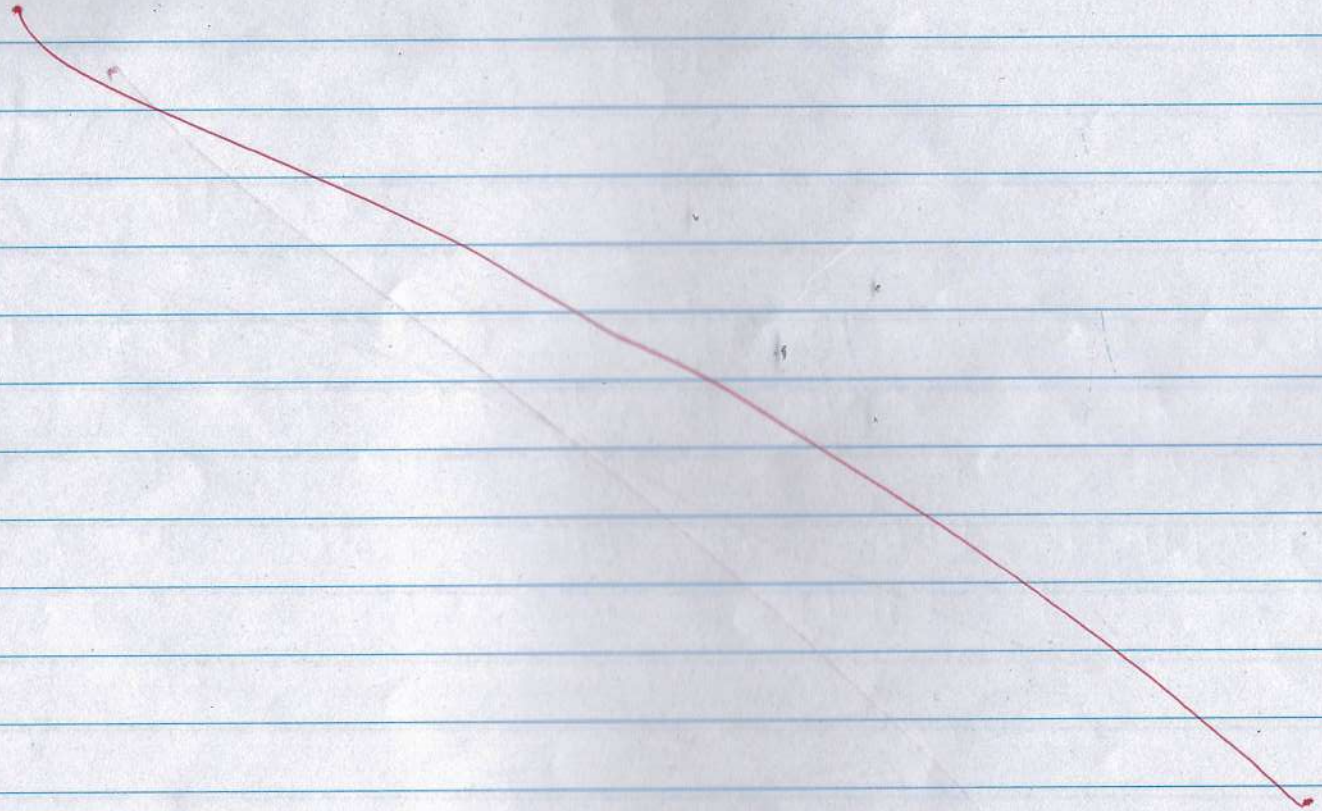

Space for writing
Question Number

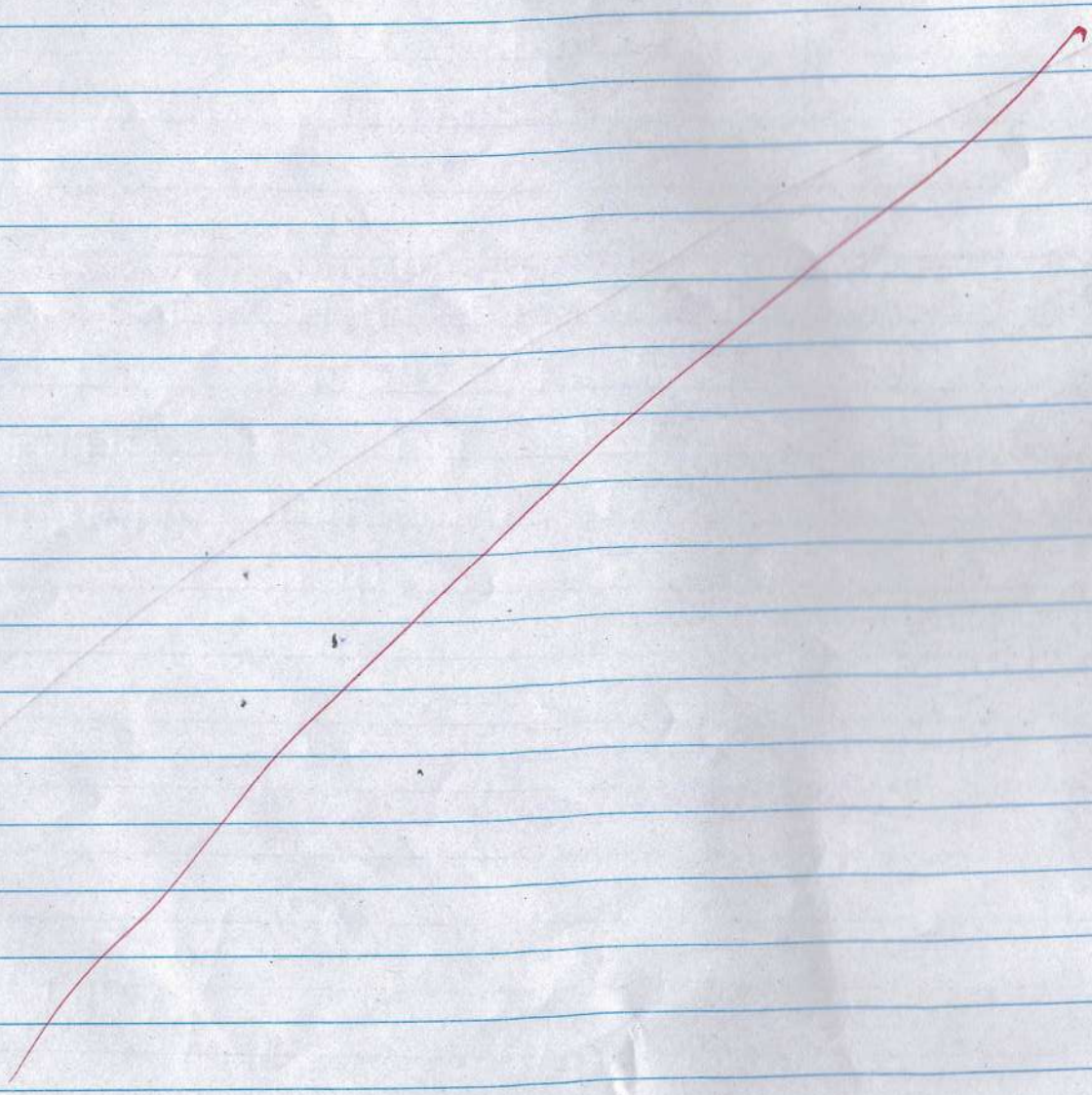

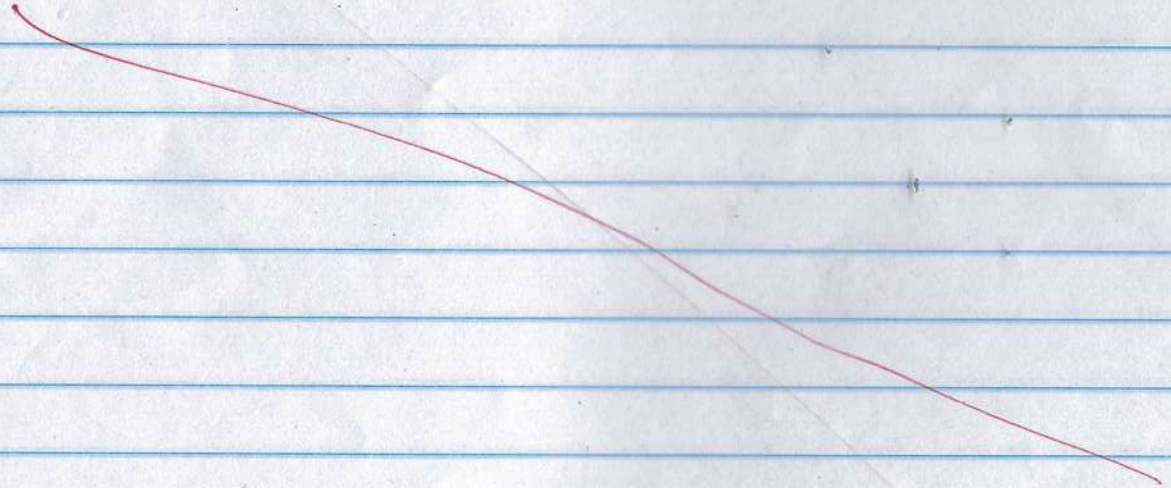

Space for writing
Question Number

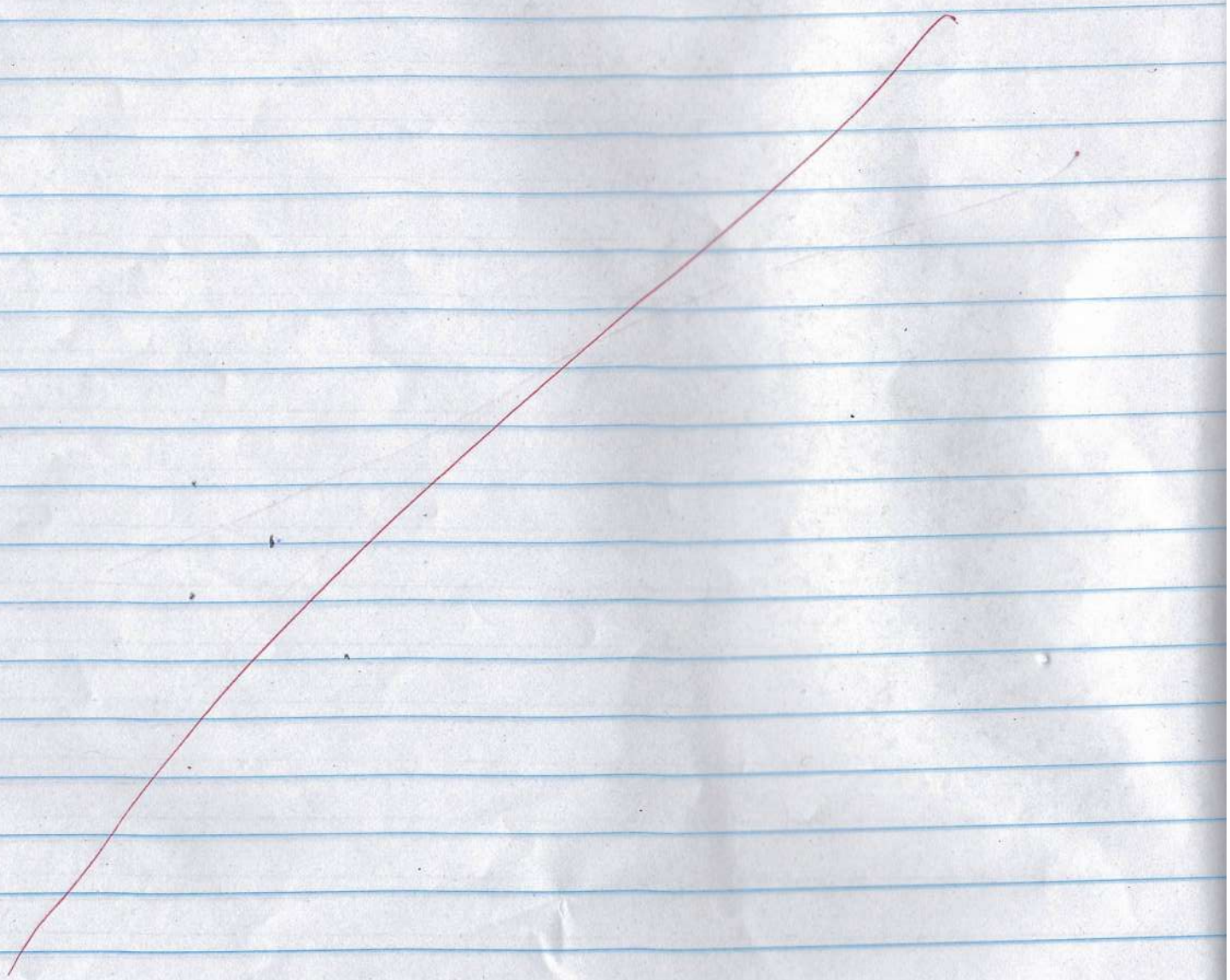

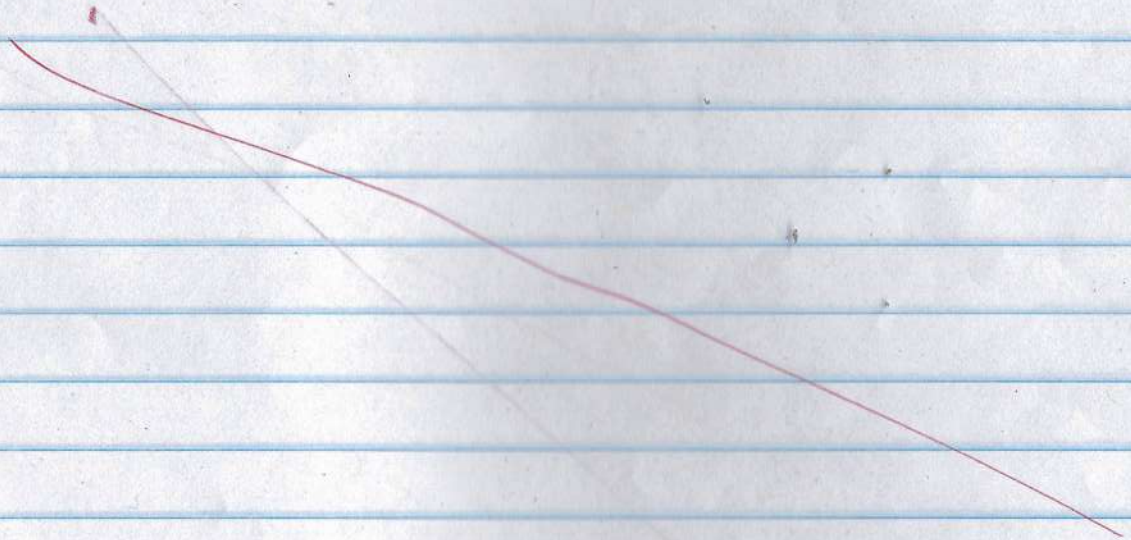

30

Space for writing
Question Number

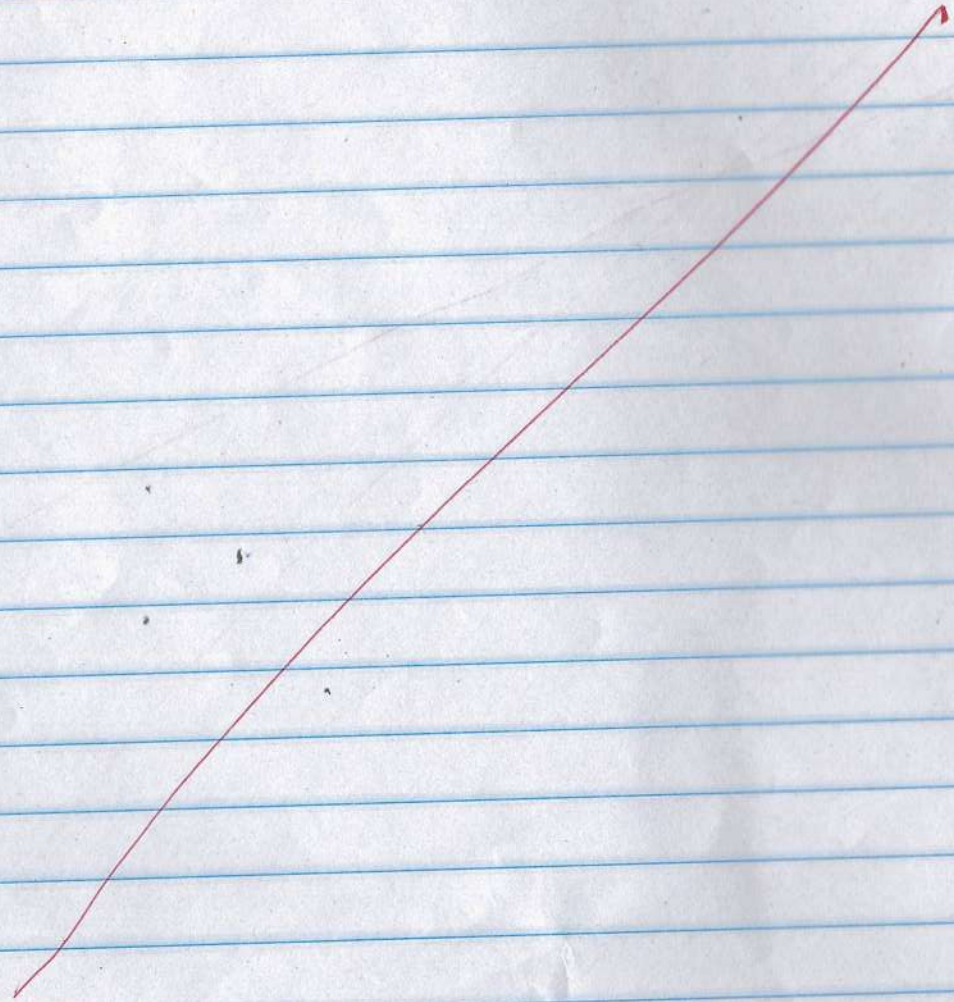

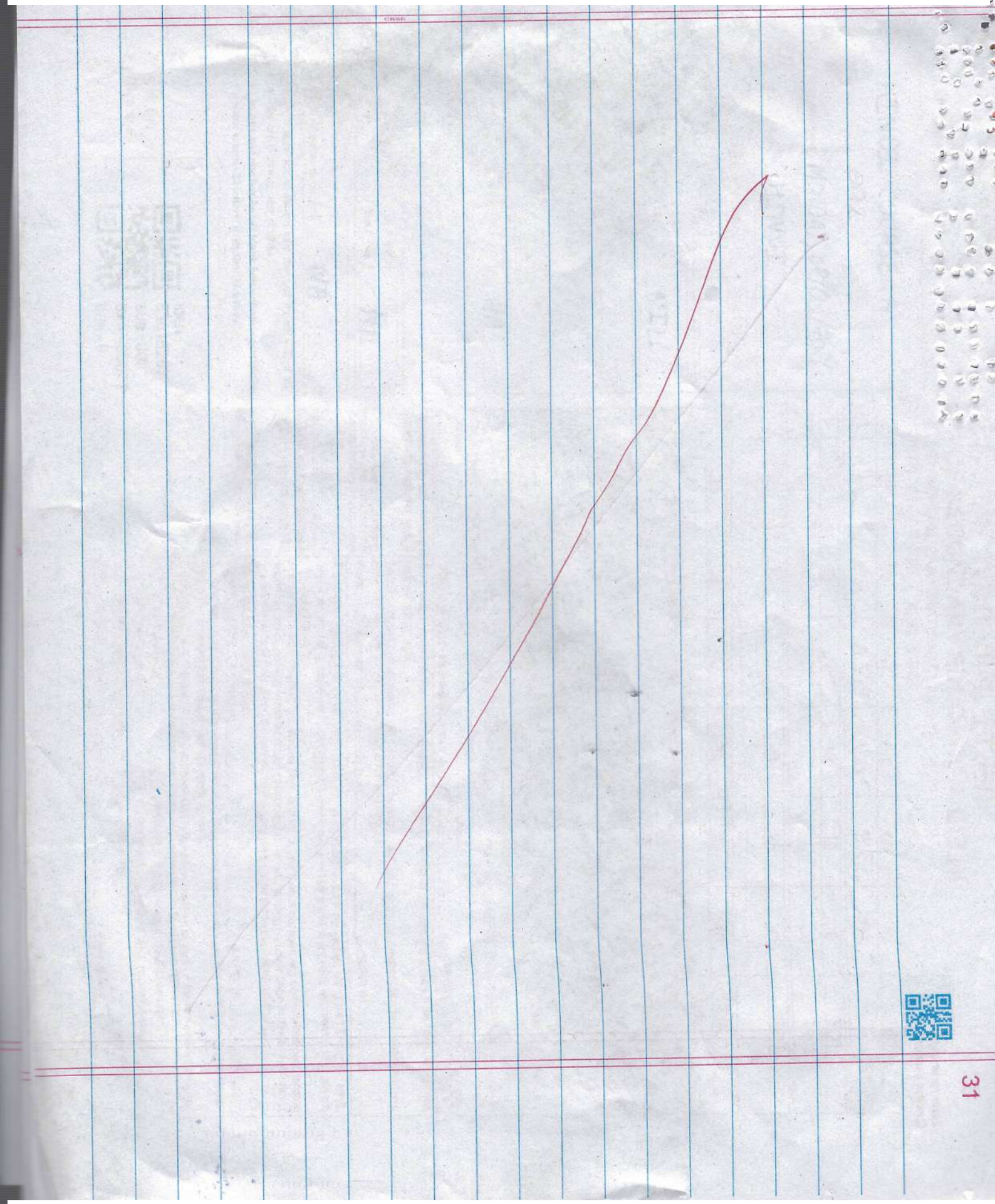

Space for writing
Question Number



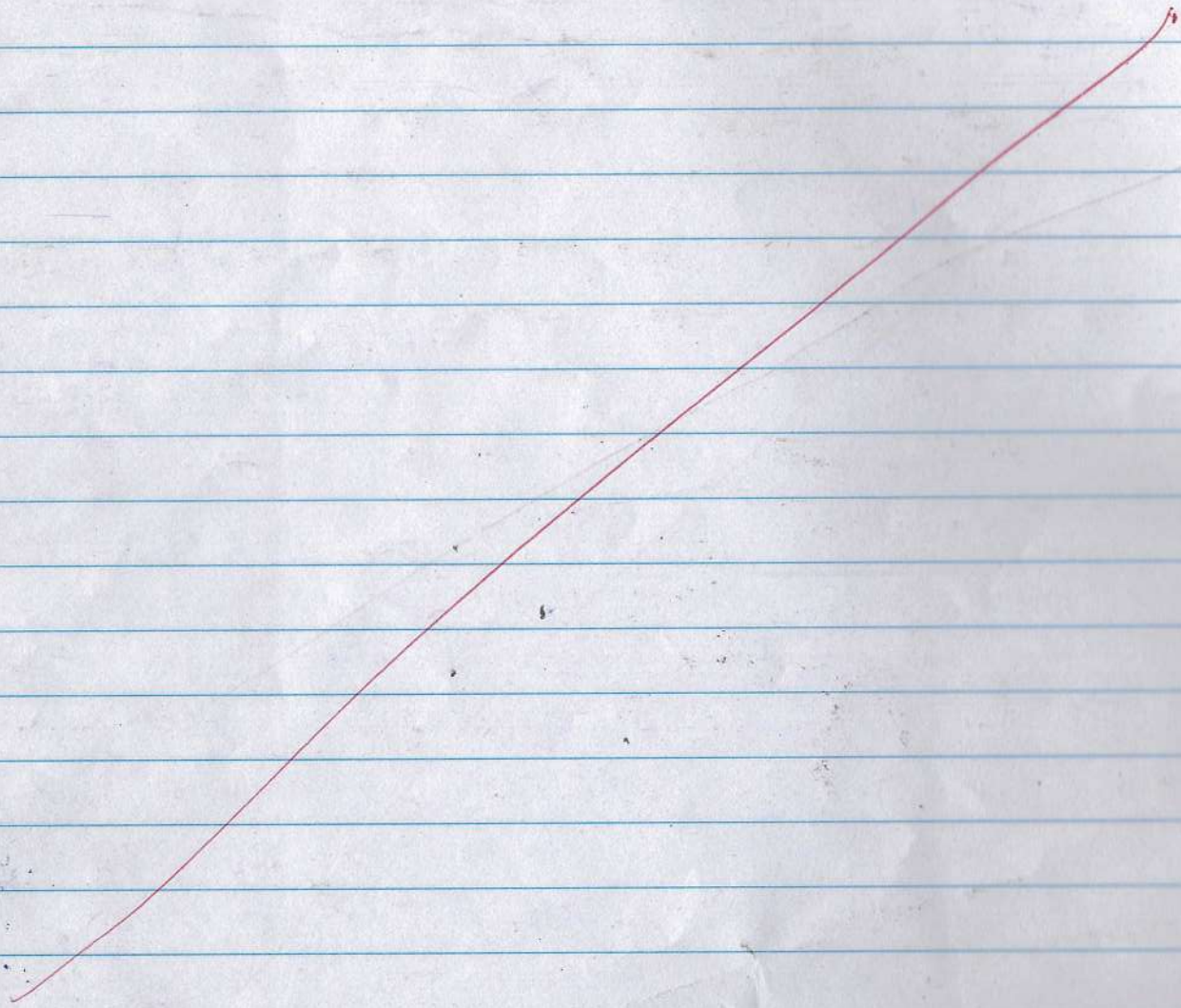

2026